प्रश्न पेपर २६ मार्क्स = १००

हैम संस्कृत प्रवेशिका प्रथमा १ थी 15 पाठ संज्ञा प्रकरण सहित

प्र. १ (१) "हैम संस्कृत प्रवेशिका" नामनी सार्थकता जणावी तेना अभ्यास नी शी सार्थकता छे ते जणावी मार्क्स २०

(२) वर्णो नी मुख्य संज्ञा जणावी 'अ' नी 'औ' तथा 'क्' नी अने 'ह्' नी कुल संज्ञा जणावो.

(3) ह्रस्व-दीर्घ अने समान संज्ञा मां आवता सरखा वर्णो जणावी, अनुनासिक-सानुनासिक-निरनुनासिक मां तफावत जणावो.

(4) मात्रा गणवा नी शी आवश्यकता जणावी (1) श्री सिद्ध हैमशब्दानुशासन (2) निष्पङ्कव्योमनील द्युतिमलसदृशं बालचंद्राभदंष्ट्रं (3) क्षेत्रे काले च सर्वस्मिन्नर्हतः समुपास्महे आ त्रण नी मात्रा केटली ते, जणावो.

(5) जातिवाचक अने द्रव्यवाचक शब्दो वच्चे नो तफावत जणावी धातुनु स्वरूप मोटु के नामनु स्वरूप मोटु ते जणावो.

(6) क्रियापद कोने कहेवाय ? ते जणावी केटलां काल - विभक्ति - गण छे अने प्रथमा मां केटला बताववामां आव्या छे ते जणावो

(7) कर्तरि प्रयोग एटले शुं ? ते जणावी पद - पदी वच्चे नो तफावत समझाओ

(8) पहेला पुरुष बोधक प्रत्यय लागे के विकरण प्रत्यय ते जणावी पद बनाववानी शी जरूर छे ते जणावो

(9) अनुस्वार ज कोनो थाय छे ? ते जणावी गुण क्यां कोनो अने क्यारे थाय छे ते जणावो ?

(10) गुण + गुण ; गुण + वृद्धि ; वृद्धि + गुण ; वृद्धि + वृद्धि ना दाखला आपो

(11) गम् नो गच्छ् आदेश क्यारे थाय ? ते जणावी आउओअइएआ ऋऔअलृऐ नी संधि करी आपो.

(12) पुरुष बोधक प्रत्ययो केटला ते जणावी स्वरादि स्वरांत अने व्यंजनांत प्रत्ययो जणावो.

प्र. २ नीचे नी साधनिका लखवो गमे ते दश मार्क्स २०

(1) नमामि (2) अटाव: (3) जेमथ: (4) वर्षन्ति (5) जयत:
(6) तराम: (7) चोरयाव: (8) पारयत: (9) यच्छन्ति
(10) वन्दन्ते (11) हरावहे (12) वर्धेते

प्र·3 अर्थ उपर थी धातु जणावो. २० मार्क्स

(१) लई लेवुं (२) चूकवुं (3) खेद पामवो (४) जोवुं (5) चाहवुं

(६) खावुं (७) रक्षण करवुं (८) मारवुं (९) अवाज करवो (१०) शणगारवुं

(११) खुश करवुं (१२) विचारवु (13) रचवुं (१४) अडकवु (15) कंपवु

(16) गभरावुं (17) खुश थवुं (18) जवुं (१९) पडवुं (२०) आचरवुं (२१) भणवुं

प्र·४ धातु ना रूपो अर्थ साथे लखो. गमे ते पंदर ३० मार्क्स

[१] नम् धातु ओ·व·, ब·व·, [२] अर्च्– १ पु· ३ पु· [3] वृष्– द्वि·व·

[४] भू– २ पु· ३ पु· [5] स्मृ– द्वि·व· ब·व· [6] पुष्- ओ·व· द्वि·व·

[7] मुह्– १ पु· ३ पु·, [8] सृज्- ओक·व·ब·व·[९] स्पृश् - ३ पु·

[१०] चुर्– २ पु· [११] भूष्- द्वि·व· [१२] पृ– ओ·व· द्वि·व· [13] दृश्– ब·व·

[१४] श्रम– द्वि·व·ब·व· [15] अस्- द्वि·व·ब·व· [१६] हृ– ओ·व· ब·व·

बुध–द्वि.व.ब.व.

प्र·5 संधि करीने वाक्यो लखो. गमे ते पांच 5 मार्क्स

[१] हुं तुं अने ते बे वंदन करीओ छीओ.

[२] अमे बे पूजा करीओ छीओ.

[3] ते बे अटन करे छे.

[४] तमे लखो छो ओवुं हुं इच्छुं छुं

[5] ते छे [६] तुं जाय छे.

प्र·6 नीचेना पदोनी संधि छुटी पाडी अर्थ लखो । गमे ते पांच 5 मार्क्स

[१] ताविच्छतः [२] स्थेच्छथ [3] तयटन्ति [४] अहमर्चामि

[5] त्वल्लँलेखसि [६] अहन्तोप्यावः ।